

102.5, 146.4 Maria Magdalena

C G B E M V

H R D F S L

CO AR

Dob

range gc

|       |                                 |    |   |    |   |           |     |              |   |
|-------|---------------------------------|----|---|----|---|-----------|-----|--------------|---|
| 1V-Am | Suavissime universo.            | 1  |   |    |   | -         |     |              |   |
|       | O redundans fons                |    | 1 |    |   | D348v 1   |     |              |   |
|       | Conversus Dominus ad            |    |   | 1  |   | -         |     |              |   |
|       | Recumbente Hiesu in domo        |    |   |    | 1 | -         |     |              |   |
|       | Cum autem effudisset M.         |    |   |    | 2 | -         |     |              |   |
|       | Lacrimis ergo rigabat pedes     |    |   |    | 3 | -         |     |              |   |
|       | Satagente circa frequens        |    |   |    | 4 | -         |     |              |   |
|       | Dixit autem Dominus Maria       |    |   |    | 5 | -         |     |              |   |
| M-A   | Ingressus Iesus domum Sym.      | 1  |   |    |   | K166v 4   | C-c | EEG          |   |
|       | Que dum lacrimosa ad eum        | 2  |   |    |   | K166v 5   | F-g | cccc         |   |
|       | Incendit plene Maria peccati    | 3  |   |    |   | K167r 1   | C-b | aDa          |   |
|       | In diebus illis mulier que erat | 4  |   | c* |   |           |     |              |   |
|       | Maria ergo unxit pedes Iesu     | 5  |   |    |   |           |     |              |   |
|       | Optimam partem elegit sibi      | 6  |   |    |   |           |     |              |   |
|       | Intendens porro Maria unum      | 7  |   |    |   | K167v 1   | A-d | aaDaD        |   |
|       | Fundans Syon in saphiris rex    | 8  |   |    |   | K168r 8   | C-d | long, ornate |   |
|       | Iesus dum vocat Mariam          | 9  |   |    |   | K167v 1   | A-d | DaDD         |   |
|       | Cum esset Bethanie Iesus        | 10 |   |    |   | K167v 4   | C-c | aaE          |   |
|       | Maria ergo accepit libram       | 11 |   |    |   | K167r 3   | D-e | EbE          |   |
|       | Amen dico vobis unicumque       | 12 |   |    |   | K168r 8   | C-c | GG           |   |
|       | Dixit Iesus Maria conversa      | c  |   |    |   | K168v 4   |     |              |   |
|       | Cum discubisset Dominus         |    | 1 |    | 1 | 1241      | C-c | aD           | ? |
|       | Intrantem Ihesum in quod.       |    | 2 |    |   | D349r 7   |     |              |   |
|       | Eterne iocunditatis cantico     |    | c |    |   | D350r 6   |     |              |   |
|       | Secus pedes Domini adstans      |    |   |    | 2 | 2145      | A-G | DDD          | ? |
|       | Irrigabat igitur dominicos      |    |   |    | 3 | 3110      | D-d | cG           | ? |
|       | Symon autem intra se inquit     |    |   |    | 4 | SM164r 4  | C-b | E            |   |
|       | Et respondit Dominus            |    |   |    | 5 | SM164r 5  | F-g |              |   |
|       | Quoniam multum dilexerat        |    |   |    | 6 | SM164r 6  | C-c |              |   |
|       | Satagebat igitur Martha soror   |    |   |    | 7 | SM164v 7t | C-c | aG           |   |
|       | Non est Martha inquit tibi      |    |   |    | 8 | SM164v 8  | D-d |              |   |
|       | Et respondit Dominus            |    |   |    | 9 | SM 164v 1 |     |              |   |



|                                |    |    |
|--------------------------------|----|----|
| Maria plorans ad monum.        | 7  |    |
| Veni electa                    | 8* |    |
| Vidit Maria duos angelos       | 9  |    |
| Post hec conversa est retror.  | 10 |    |
| Adest testis divine misericor. | 11 |    |
| Cum venisset Maria ubi erat    | 12 |    |
| Respondens Iesus dixit Maria   | 13 |    |
| Summe propitiator Christe      | 14 |    |
| Gloriosa diei huius soll.      | 1  |    |
| Hec est illa Maria que unxit   | 2  |    |
| Lugens pie defunctum           | 3  |    |
| Videns ergo flentem Mariam     | 4  |    |
| Nequissimo Iude proditori      | 5  |    |
| Fortis ut mors vere beate      | 6  |    |
| Completum est igitur           | 7  |    |
| Accinxit beata Maria           | 8  |    |
| Diluculo valde surgens beata   | 9  |    |
| Ad suum igitur flenti          | 10 |    |
| Felix Maria que unxit          | 11 |    |
| O felix felicitis meriti Maria | 12 |    |
| O mirum et magnum miraculum    |    | 1  |
| Diligebat Dominus Maria        |    | 2  |
| Emit Maria preciosum unge.     |    | 3  |
| O felix sacrorum lacrimis      |    | V  |
| Letetur omne seculum           |    | 1  |
| Eternus accumulatur muneribus. |    | 2  |
| Illicitas estus quos de te     |    | 3  |
| Diffusa est gratia             |    | 4* |
| Nuntia ... redimenda           |    | 5  |
| Verus amor turmis qua          |    | 6  |
| O mirum et magnum miraculum    |    | 7  |
| Specie tua                     |    | 8* |
| Emit Maria pretiosum           |    | 9  |
| Diligebat Dominus Mariam       |    | 10 |
| Felix Maria unxit pedes eius   |    | 11 |
| Regnum mundi et omne           |    | 12 |

**102.5, 146.4 Maria Magdalena**

| C G B E M V | H R D F S L | CO AR | Dob range gc

---

Only B of the secular sources has anything, and only 1 antiphon at that.

L has MM under 102.5, R D and S under 146.4

R has 4R (2 is incipit), 3R, and 7R (first is incipit).

D has only 1 A for each Nocturn. This is an addition at the end of the ms. though still 12th c. Folios spoilt.

S has mostly incipits or xrs to the common of virgins. Only full entries noted here.

L has only 3 R in the Second Nocturn, each taking a double psalm. R originally secular series (even 12 is from commune, though given in full).

AR does have sets for M and L, mostly commune, the propers not corresponding to any above.